डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 336 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 24 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज नीड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

गरमी, उमस से परेशान लोग, अब तीन दिन बारिश के आसार

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो जब सुरमई ठंड शुरु हो जाना चाहिए, तब भी मई जून का अहसास आ रहा है। सोमवार को दिन और रात समान रहे। अर्थात इसके साथ ही शीत ऋतु की शुरुआत हो गई। किन्तु, सोमवार दोपहर तेज धूप से लोगों के पसीने निकलते रहे। उमस से लोग परेशान है। इसके पहले रविवार दोपहर बाद मंदसौर शहर सहित एक दो स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई। रविवार को भी दिनभर तेज धूप और उमस भरी गर्मी रही। अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

सोमवार को भी जिले में ऐसा ही मौसम बना रहा। अधिकांश स्थानों पर तेज धूप खिली रही। मौसम जानकारों के अनुसार जिले में 24 से 26 सितंबर के दरमियान हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग भोपाल के वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक 23 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया एक्टिव हो रहा है। इसकी वजह से 24 सितंबर से लगातार 3 दिन तक प्रदेश के पूर्वी और दक्षिण के कुछ जिलों में तेज बारिश होने का अलर्ट है। जिले में आज सुबह तक ओवरऑल 33.59 इंच (850 एमएम) औसत बारिश दर्ज की गई है। इधर चम्बल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1310.59 फीट पहुंच गया है।

दो दिन से लापता युवक का शव कुए में मिला

नीमच, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र के गांव सावन में सोमवार सुबह एक व्यक्ति की लाश कुएं में तैरती हुई मिली। दरअसल सुबह सावन गांव में किसान लक्ष्मी नारायण के खेत पर स्थित कुएं में किसी व्यक्ति की तैरती हुई लाश दिखाई देने की जानकारी ग्रामीणों को हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पता पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार गौरव पिता अनिल नागदा उम्र 20 वर्ष निवासी कमला नेहरू कॉलोनी मनासा के रूप में हुई है। मृतक युवक पिछले दो दिनों से घर से लापता था। जिसकी गुमशुदगी मनासा थाने में परिजनों ने दर्ज कराई थी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक गौरव काफी समय से मानसिक रूप से बीमार था। जिसके चलते करीब 2 साल पहले उसने एक बार आत्महत्या का प्रयास भी किया था। मृतक के शव का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

गांधी सागर के पानी में घोल रहे जहर..!

जमीन और इंसान दोनों की सेहत हो रही खराब, पीएचई ने लिए सेंपल

❊ उद्योगों का केमिकल और दूषित पानी दिखा रहा असर ❊ अरनिया भाऊ, हनुमान खेड़ा, दीपा का डेरा, कातला में जमी केमिकल की चादर

मंदसौर/भानपुरा, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अभी तक मंदसौर शहर के तैलिया तालाब या शिवना या अन्य तालाबों के पानी के दूषित होने की खबरें आ रही थी। लेकिन, अब गांधी सागर के पानी में ही जहर घुल रहा है। गांधी सागर में मिलने वाली चंबल नदी का पानी सिंचाई के साथ पीने के भी उपयोग में आ रहा है। ऐसे में इंसानों के शरीर के साथ जमीन का स्वास्थ्य भी दूषित पानी बिगाड़ रहा है। गांधी सागर के बैक वाटर में केमिकल की परतें जमने लगी है। यह सिर्फ दुर्गंध ही नहीं मार रही, बल्कि इस बात का प्रमाण दे रही है कि पानी दूषित हो रहा है। एक बार फिर यह मामला भानपुरा क्षेत्र के अरनिया भाऊ , हनुमान खेड़ा, दीपा का डेरा , कतला में सामने आया है। जहां गांधी सागर के बेक वाटर के पास केमिकल की परत जम गई। यह परत लगभग एक किमी तक दिखाई दे रही है। केमिकल की परत जमने के कारण आसपास के क्षेत्र में बदबू आ रही है। बेक वाटर के पास बसे गांव के साथ ही यहां मौजूद स्कूलों के बच्चों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पीएचई विभाग ने यहां पहुंचकर सेंपल लिए है।

बीमार कर रहा पानी...

केमिकल युक्त पानी बीमारी का कारण बन रहा है। कुछ दिनों पहले गरोठ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बर्मा के गांव रामनगर में इसी तरह का मामला सामने आया था। यहां केमिकल की मात्रा बढ़ने से लोगों को सिरदर्द, घबराहट की शिकायत होने लगी। इस केमिकल से गांव के पीने के पानी दो हैंडपंप और एक कुआं पीएचई विभाग की रिपोर्ट में पानी के दूषित होने की पुष्टि हुई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि यह केमिकल नगरों में गया तो और समस्याएं बढ़ सकती हैं।

जमीन का पानी भी हो रहा दूषित...

जिले की 70 प्रतिशत आबादी चंबल नदी का पानी पी रही है। भानपुरा से लेकर शामगढ़ तक के किसान चंबल नदी के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। गांधी सागर के पानी से सिंचाई की बड़ी योजनाओं पर भी काम चल रहा है। इधर गांधी सागर और चंबल नदी का पानी दूषित होने से जमीन में जाने वाले पानी पर भी असर पड़ रहा है। लोग हैंडपंप और कुओं के पानी का भी उपयोग करते हैं। ऐसे में जहां चंबल नदी के पानी की सीधी सप्लाय से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है तो वहीं हैंडपंप और कुओं के पानी के उपयोग से भी लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित असर पड़ सकता है।

रिपोर्ट में भी आया था प्रदूषण, लगाया था जुर्माना...

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नदियों से लेकर तालाबों के प्रदूषण को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की थी। जिससे सामने आया था कि मंदसौर नगर पालिका से लेकर भानपुरा नगर परिषद नदी में प्रदूषण फैला रहे है। जिसको लेकर सबसे अधिक जुर्माना मंदसौर नगर पालिका पर 5 करोड़ 70 लाख, इसके बाद गरोठ नगर परिषद पर एक करोड़ चार लाख रुपए सबसे अधिक जुर्माना लगाया गया था। वही भानपुरा, शामगढ़, सुवासरा, नगरी, मल्हारगढ, पिपलिया मंडी और नारायणगढ़ पर 42-42 लाख रुपए जुर्माना किया गया है तो सीतामऊ पर सबसे कम 36 लाख रुपए का जुर्माना किया गया था।

इस कारण फैल रहा प्रदूषण...

जानकारों की माने तो चंबल नदी में प्रदूषण लगातार फैल रहा है। इसके फैलने का कारण है कि नगरीय निकायों का गंदा पानी, फैक्ट्रियों का गंदा पानी सीधे तालाबों और नालो में मिलता है। गंदा पानी इनके माध्यम से सीधे गांधी सागर या चंबल नदी में मिल जाता है। जिससे चंबल नदी प्रदूषित हो रही है। इसके साथ ही चंबल नदी में सरेआम अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। अवैध रेत खनन अंदर मशीने लगाकर किया जाता है। जिससे मछलियां सहित अन्य जलीय जीव दम तोड़ रहे हैं तो अंदर प्रदूषण फैल रहा है। धुंए से भी प्रदूषण फैल रहा है।

केमिकल के स्त्रोत की जांच जारी...

इस मामले में प्रमुख चिंता का विषय यह है कि चंबल नदी में यह केमिकल कहां से आया। प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बेकवाटर क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों ने शिकायत की तो प्रशासन हरकत में आया और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची।

प्रशासन की त्वरित कार्रवाई...

सूचना मिलने पर एसडीएम, जनपद सीईओ, तहसीलदार और पीएचई के अधिकारी प्रशांत सोनी सहायक यंत्री भानपुरा तथा उप यंत्री नेहा जायसवाल ने गांव का दौरा किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हेडपंप तकनीशियन मनोहर शर्मा की मदद से अरनिया भाऊऔर हनुमान खेडा के हेडपंप और शासकीय कुओं में क्लोरीननेशन किया गया, ताकि पानी को सुरक्षित किया जा सके।

ग्रामीणों में आक्रोश और चिंता...

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार फैलती बदबू और संभावित जल प्रदूषण ने उनकी जीवनशैली को प्रभावित किया है। गांव के बच्चों और बुजुर्गों कें स्वास्थ्य को लेकर भी लोग काफी चिंतित हैं। अब प्रशासन से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द इस केमिकल के स्रोत का पता लगाकर इसे रोका जाए, ताकि गांव में सामान्य जीवन फिर से बहाल हो सके।

सेंपल लिए गए है...

अरनिया भाऊ में शिकायत मिलने के बाद टीम ने पहंचकर सेंपल लिए है। जांच की जा रही है। मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

प्रदीप कुमार, कार्यपालन यंत्री, पीएचई मंदसौर

ट्रक की टक्कर से पति की मौत, पत्नि गंभीर

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाना क्षेत्र के पास आक्या चौराहे पर नीमच के एक दंपत्ति की बाईक को ट्रक चालक ने टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार दंपति गंभीर घायल हो गए। उपचार के दौरान पति की मौत हो गई। वहीं पत्नी का इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार नीमच जिले के जावद थाना क्षेत्र के गांव मोकनपुरा के एक दंपति किसी काम से मंदसौर गए थे। इसी दौरान मंदसौर जिले के दलौदा के समीप आक्या चौराहा पर

हेलमेट लॉक नहीं था, जिससे लगी गंभीर चोट

वे सडक़ हादसे का शिकार हो गए। एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक ट्रक के नीचे फस गई और डिवाइडर सा जा टकराई। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को मंदसौर के बड़े अस्पताल पहुंचाया।जहां से प्राथमिक इलाज के बाद पति को राजस्थान के उदयपुर रेफर कर दिया गया। जबकि, पत्नी को परिजनों ने नीमच के निजी चिकित्सालय में भर्ती किया। घायल पति को उदयपुर ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए नीमच के बड़े लाया गया। मृतक अंबालाल पिता भागचंद्र पाटीदार उम्र 52 साल निवासी मोकनपुरा थाना जावद के रहने वाले थे।

हेलमेट लगाने में हुई चूक...

मृतक अम्बालाल को जानने वाले कुछ लोगों ने बताया कि वह यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक थे। बिना हेलमेट लगाए कभी बाइक नहीं चलाते थे। हादसे के समय भी उन्होंने हेलमेट लगा रखा था। हालांकि, हादसे के समय उन्होंने हेलमेट लगाने में एक छोटी सी चूक कर दी, जो उनकी जान पर भारी पड़ गई। वह हेलमेट की क्लिप लॉक करना भूल गए। जिससे हादसे के बाद हेलमेट वाहन की टक्कर से निकलकर गिर गया और इससे उनके सिर में गम्भीर चोट आई।

दुर्घटना में घायल पूर्व पार्षद पुत्र ने दम तोड़ा

पिपलियामंडी, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में घायल पूर्व पार्षद पुत्र ने इलाज के दौरान दम तोड दिया। जानकारी जके अनुसार 17 सितम्बर को महू-नीमच मार्ग पर पिपलिया चौपाटी के निकट सडक दुर्घटना में पूर्व पार्षद गिरीश नागदा का पुत्र राहुल (35) घायल हो गया था। जिसे किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने से उसे इंदौर रेफर किया था, जहां इलाज के दौरान राहुल ने रविवार रात्रि दम तोड दिया। सोमवार को पिपलिया में अंतिम संस्कार हुआ।

रूपयो के लेनदेन को लेकर दो पक्षों में विवाद, चार घायल

नीमच, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र के गिरदोड़ा में रूपयो के लेनदेन की बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया की, इसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर लाठी डंडों से मारपीट कर दी। इस मारपीट में एक ही परिवार के चार लोग घायल हुए हैं। जिसमें एक गंभीर घायल को राजस्थान के उदयपुर रेफर किया गया है। रविवार रात हुई मारपीट की घटना में नंदलाल माली, अशोक माली, अर्जुन माली और मुन्नी बाई घायल हुए हैं। जिसमें गंभीर घायल अशोक को उदयपुर रेफर कर दिया है। शेष घायलों का बड़े अस्पताल में उपचार चल रहा है। पीड़ित परिजनो ने आरोप लगाते हुए बताया कि गांव झालरी मेलकी निवासी नागेश गुर्जर करीब 10-15 लोगों को लेकर उनके घर में घुसा और लाठी डंडों के साथ धारदार हथियारों और बाइक की चैन से मारपीट शुरु कर दी। जिसमें परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। अर्जुन ने उक्त मारपीट करने वालों पर हफ्ता वसूली करने का आरोप लगाते हुए बताया कि पैसे नहीं देने पर उन्होंने मारपीट की है। वहीं मारपीट की सूचना पर सिटी थाना पुलिस बड़े अस्पताल पहुंची और घायलों के बयान लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंदसौर में माब लिंचिंग का मामला...?

प्रेम विवाह करने वाले दम्पति को युवती के परिजनों ने कमरे में बंद कर पीटा, दोनों गंभीर घायल

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर से लगते ग्राम हैदरवास मे एक नव दम्पति पर प्राणघातक हमला हो गया। युवक और युवती ने प्रेम विवाह किया था। इससे नाराज परिजनों ने पहले तो युवती को यह कहकर बुला लिया की तुम आ जाओ, हम कुछ नहीं करेंगे। जो तेरी इच्छा थी वो तुमने किया, अब हमें कोई परेशानी नहीं हैं। लेकिन, मंदसौर आते ही परिजनों ने युवक और युवती को कमरे में बंद कर भयंकर पीटा। पिता ने लडकी का हाथ तोड़ा, लडके को एक कान से सुनना हुआ बंद, लडके की मां ओर बहन पर भी हमला हुआ। लडकी का परिवार दोनों को मारते- मारते चौराहे तक ले गए। यशोधर्मन थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया हैं। लेकिन, पीडित के परिजनों का कहना हैं की पुलिस ने सक्षम धाराओं में प्रकरण दर्ज नहीं किया हैं। हालांकि, उन्हें धाराओं की जानकारी नहीं होगी, ऐसा पुलिस सूत्रों का कहना हैं।

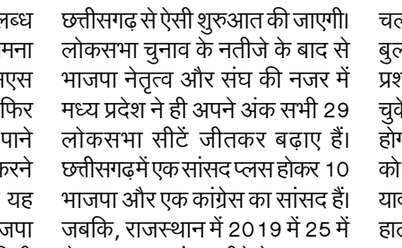

जानकारी के अनुसार यशोधर्मन थाना क्षेत्र की तनु ग्वाला और प्रवीण नायक पिता भंवरलाल नायक निवासी हैदरवास ने प्रेम विवाह किया और दोनों तनु ग्वाला की इच्छा अनुसार घूमने गए और आकर यशोधर्मन थाना पर कई घंटो तक बैठे रहे। उनको कहा गया की जाओ कोई बात नहीं है, अगर कुछ हो तो कॉल करना पर यशोधर्मन थाना पुलिस दोनों को संरक्षण नहीं दें पाए और उनकी पिटाई तनु ग्वाला के पिता लाला ग्वाला ओर परिवार द्वारा ऐसी की गयीं की उनको मारते-मारते चौराहे तक ले आये। तबभी तनु ग्वाला अपने पति प्रवीण नायक के लिये ही हाथ जोडती रही, परन्तु सरिए, डंडे ओर ईटो से प्राणघातक हमला हुआ। इस हमले में प्रवीण नायक की माता किरण बाई ओर भांजी नंदू बाई को चोटे आयी पर गुस्साए बालिका तनु ग्वाला के परिवार वालो ने तनु का सरियों से वार कर हाथ तोड डाला। इस हमले में प्रवीण नायक को एक कान से सुनाई देना बंद हो गया। दोनों मंदसौर के बडे अस्पताल के अलग-अलग वार्ड मे भर्ती है ओर दोनों परिवार सहित दहशत मे है। पीडितों का आरोप है की यशोधर्मन नगर थाने मे जब पांच घंटा बैठे रहे तो उन्हें कोई बचा नहीं पाया। उन्होंने अफवाहों की जब हकीकत जानी तो पता लगा की उनके विरुद्ध कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है, रहा सवाल अगली बार कोई हमला करने जैसा तो प्रवीण नायक की माता का कहना है की मैं इनकी लडकी के बारे मे कई बार इनको ओर बडे पिता- माता को आगाह कर चुकी थी। पर अब मेरे परिवार पर कुछ भी घटना घटती है तो जो नाम तनु ग्वाला बता रही है वो सब दोषी होंगे।

तीन अक्टूबर से नवरात्रि

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शारदीय नवरात्रि इस बार 3 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। इस बार मां दुर्गा पालकी पर सवार होकर आएंगी। ज्योतिषियों के मुताबिक, इस साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी घटस्थापना के दिन दुर्लभ इंद्र योग का निर्माण हो रहा है।

शारदीय नवरात्रि इस साल 3 अक्टूबर से आरंभ होगी और 11 अक्टूबर की महानवमी मनाई जाएगी, जबकि 12 अक्टूबर को दशहरा और मां दुर्गा का विर्सजन किया जाएगा। 3 अक्टूबर को घटस्थापना होने के साथ प्रथम भगवती स्वरूप मां शैल पुत्री की पूजा की जाएगी। नवरात्रि में मां दुर्गा किस वाहन पर सवार होकर, यह इस पर निर्भर करता है कि नवरात्रि का शुभारंभ किस दिन से हो रहा है। मंगलवार और शनिवार को नवरात्रि का आरंभ होता है तो मां दुर्गा की सवारी अश्व यानी कि घोडा मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यो के मुताबिक यदि नवरात्रि गुरुवार और शुक्रवार को आरंभ होती है तो मां दुर्गा की सवारी डोली और पालकी मानी जाती है। यदि मां दुर्गा रविवार और सोमवार को आती हैं तो उनकी सवारी हाथी होती है, जो कि सबसे शुभ मानी जाती है।

भाजपा संगठन में बदलाव के बाद भी प्रदेश सरकार यथावत रहेगी...

मंदसौर/उज्जैन, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। हरियाणा और जम्मू कश्मीर राज्यों के चुनाव के बाद 15 अक्टूबर के पहले तक भाजपा के शीर्ष संगठन में बदलाव होना तय माना जा रहा है। इसके लिए वर्तमान हालात या कोई राजनीतिक घटना कारण नहीं है, वरन संगठन चलाने की भाजपाई परंपरा अनुसार समय हो चला है। राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर पदाधिकारी और प्रदेश प्रभारियों तक बदलाव होना भी तय है। किसी के अधिकार बढ़ेंगे तो किसी के घटेंगे भी, भाजपा की प्रदेश सरकारों में भी बदलाव की संभावना से भाजपाई इनकार नहीं कर रहे हैं। पर, मध्य प्रदेश सरकार को अलग ही रखा जा रहा है कि यह यथावत नेतृत्व के साथ चलती रहेगी। बस संगठन में कार्यकाल पूरा होने के कारण परिवर्तन संभावित है।

राष्ट्रीय भाजपा अध्यक्ष के लिए कई नाम चल रहे हैं। केंद्रीय सत्ता में भाजपा समर्थित सरकार जरूर बनी है। लेकिन, सांसदो की संख्या घटी हैं। ऐसा होने के कारण प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में विपक्ष में अपना स्थान पुख्ता कर नेता बना लिया है। इसी कारण भाजपा का विरोध करने राजनीतिक दलों, सामाजिक संस्थाओं से लेकर आम आदमी के विरोध को संसद में आवाज मिलने के साथ समय भी मिलने लगा है। जिसे देश-विदेश में चिन्हित भी किया जाने लगा है। ये भी कि वे ब्यूरोक्रेट्स जो भीतर ही भीतर पहले की भाजपा वर्तमान एनडीए सरकार की रीति नीति से नाखुश थे, अब विपक्षियों को रसद उपलब्ध करा रहे हैं। भाजपा संगठन इनका सामना कर रहा है तो आरएसएस विशेष नजर रखे हुए, फिर से पहले की तरह सत्ता पाने की योजना पर काम करने लगा है। इसी तर्ज पर यह माना जा रहा है कि भाजपा का नया अध्यक्ष संघ की ही पसंद का बनेगा और उसकी टीम भी। यानी सरकार को यूं ही रखा जाएगा।

चन्द्रमोहन भगत

यह भी कहा जा रहा है कि केंद्र से लेकर राज्य की भाजपा सरकारों में भी संघ की रीति नीति के साथ पूर्व की अटल सरकार जैसी छवि के साथ जन समर्थन पाने को प्राथमिकता दी जाएगी। बडे राज्यों में जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से ऐसी शुरुआत की जाएगी। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से भाजपा नेतृत्व और संघ की नजर में मध्य प्रदेश ने ही अपने अंक सभी 29 लोकसभा सीटें जीतकर बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़में एक सांसद प्लस होकर 10 भाजपा और एक कांग्रेस का सांसद हैं। जबकि, राजस्थान में 2019 में 25 में से 24 भाजपा सांसद जीते थे पर 2024 में घटकर 14 रह गए हैं। अत: इन तीनों राज्यों की लोकसभा सीटों में मध्य प्रदेश ने शत प्रतिशत जीत दर्ज कराई है। जबकि, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने तीनों ही राज्यों में अप्रत्याशित एकदम नए नाम को मुख्यमंत्री बनाया है। इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों में भी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भाजपा और संघ की विचारधारा के साथ शासन चलाकर पहले नंबर पर बने हुए हैं। बुलडोजर कार्रवाई के प्रसंग में भी प्रशासन को स्पष्ट साथ देते हुए कह चुके हैं कि अवैध निर्माण किसी का भी होगा तोड़ा ही जाएगा। इसी तरह कांग्रेस को कमजोर करने की मुहिम में भी मोहन यादव ने कांग्रेस के बड़े नेताओ के अलावा हाल ही में पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को भाजपा में शामिल करवा कर अपनी सांगठनिक दक्षता का परिचय दिया है। डॉ मोहन यादव सरकार के इन्हीं संगठन को मजबूत करने वाले निर्णायक कामों के कारण ही माना जा रहा है कि संगठन स्तर पर होने वाले बदलावों के दौरान भी मध्य प्रदेश सरकार की स्थिति यथावत रहने वाली है। अभी तक किसी भी एंगल से माइनस मार्किंग के दायरे में नहीं आ रही है।

विचार-मंथन

अमेरिकी अदालत के फरमान के बाद रिश्तों पर असर!

खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोप में एक अमेरिकी अदालत के भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रा प्रमुख के खिलाफ, जारी अदालती फरमान को लेकर स्वाभाविक ही चर्चा तेज हो गई है। यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हो गई है, जब अगले हफ्ते प्रधानमंत्री क्वाड बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका जाने वाले हैं। पन्नू की हत्या की साजिश का पर्दाफाश खुद अमेरिकी सुरक्षा एजंसी ने किया था। उसने एक भारतीय व्यवसायी को गिरफ्तार किया था, जिसने कबूल किया कि एक बड़े भारतीय अधिकारी के कहने पर उसने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। इसे लेकर वहां के अखबारों में भी खूब चर्चा रही। उसी आधार पर पन्नू ने अमेरिका की एक जिला अदालत में मुकदमा दायर किया, जिसके आधार पर यह अदालती फरमान जारी हुआ है। हालांकि भारत सरकार ने पन्नू के मुकदमे को निराधार बताया है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजंसी का हाथ बताया था। उस संबंध में भारत सरकार लगातार कनाडा सरकार से सबूत मांगती रही, मगर वह दे पाने में अक्षम ही साबित हुई। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिकी अदालत के फरमान के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कुछ खटास पैदा हो सकती है, मगर इसका कोई आधार नहीं है। अदालतों की अपनी एक प्रक्रिया होती है और अमेरिकी जिला अदालत ने उसका पालन किया है। इससे अमेरिका और भारत के रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। छिपी बात नहीं है कि पन्नू को भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। वह प्रकट रूप से खालिस्तान समर्थकों को उकसाता और मदद मुहैया कराता रहता है। वह अमेरिका और कनाडा दोनों देशों का नागरिक है। भारत सरकार उसके खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करती रही है, मगर कनाडा सरकार ने कभी उस पर गंभीरता नहीं दिखाई। जब एक संदिग्ध भारतीय नागरिक को अमेरिकी खुफिया एजंसी ने गिरफ्तार किया और उससे पता चला कि पन्नू की हत्या की साजिश रची गई है, तो पन्नू को खालिस्तान समर्थकों को भारत सरकार के खिलाफ भड़काने और उनकी सहानुभूति हासिल करने का मौका मिल गया। जाहिर है, इस बहाने वह अपने पक्ष में सहानुभूति लहर बनाने और यह साबित करने का प्रयास कर रहा है कि भारत सरकार खालिस्तान समर्थकों के विरुद्ध साजिशें रच रही है। कोई भी देश और वहां की अदालत किसी भी आतंकी गतिविधि में शामिल व्यक्ति के किसी दूसरी सरकार के विरुद्ध अनर्गल आरोप को प्रोत्साहित नहीं कर सकती। चूंकि अमेरिकी अदालत के सामने पन्नू के आरोपों के पीछे कुछ आधार हो सकते हैं, इसलिए अदालत ने यह फरमान जारी कर दिया। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इससे पन्नू का पक्ष मजबूत हो गया। केवल किसी आरोपी के कबूलनामे के आधार पर कोई मामला सच साबित नहीं हो जाता। ऐसे मामलों में उच्चस्तरीय जांचें महत्वपूर्ण होती हैं। जब अमेरिकी खुफिया और सुरक्षा एजंसियां इस मामले में कोई कदम नहीं उठा रहीं, तो पन्नू के आरोप का बहुत कोई अर्थ नहीं रह जाता। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के समय भी निश्चय ही इस मसले पर वहां के राष्ट्रपति के साथ चर्चा होगी। यह बात गहराई से रेखांकित होनी चाहिए कि आतंकी गतिविधियों में संलिप्त और अमेरिका तथा कनाडा जैसी जगहों पर पनाह पाए पन्नू जैसे लोगों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

विदेश नीति और अगला अमेरिकी प्रशासन

विवेक मिश्रा

लोकसभा चुनाव के अभियानों में विदेश नीति अक्सर पीछे रह जाती है, जहां अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा और इमिग्रेशन जैसे घरेलू मुद्दे चर्चा में हावी हो जाते हैं. हालांकि, अमेरिका में विदेश नीति के निर्णयों का आंतरिक गतिशीलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक कल्याण दोनों को आकार देता है. कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव कोई अपवाद नहीं है, क्योंकि विदेश नीति मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण मुद्दे के रूप में उभरी है. दोनों उम्मीदवारों के बीच हाल ही में हुई बहस में कई प्रमुख विदेश नीति क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया, जो अगले प्रशासन के दृष्टिकोण को आकार देने की संभावना रखते हैं. चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष से लेकर अमेरिका-चीन संबंधों तक, उम्मीदवारों ने इस बात पर अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं कि अमेरिका को तेजी से अस्थिर दुनिया में अपनी भूमिका कैसे निभानी चाहिए. चूंकि अमेरिका काफी प्रभाव वाला ग्लोबल नेता बना हुआ है, इसलिए अगले प्रशासन के विदेश नीति एजेंडे का अंतरराष्ट्रीय स्थिरता, आर्थिक साझेदारी और वैश्विक मंच पर अमेरिका की स्थिति के लिए दूरगामी प्रभाव होगा. ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी विदेश नीति वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखने पर केंद्रित रही है. इसे अक्सर एकतरफा कार्रवाई और सैन्य हस्तक्षेप के माध्यम से आगे बढ़ाया गया है. हालांकि, विकसित हो रही वैश्विक व्यवस्था ने अमेरिका को अधिक बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए मजबूर किया है, ताकि वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर काम किया जा सके. इस समय दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर का सामना कर रही है. इसमें यूक्रेन में युद्ध, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, साइबर युद्ध का उदय और वैश्विक सुरक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बढ़ता प्रभाव शामिल है. इस संदर्भ में अगले अमेरिकी प्रशासन की विदेश नीति इन संघर्षों की दिशा और अमेरिका की अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को बनाए रखने की क्षमता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगी. आलोचकों का तर्क है कि अमेरिकी विदेश नीति अक्सर स्वार्थी रही है, जो अमेरिकी हितों को सबसे ऊपर रखने पर केंद्रित है. हालांकि, बढ़ते संरक्षणवाद द्वारा वैश्वीकरण को पीछे धकेला जा रहा है, और आधुनिक युद्ध की जटिलताएं विकसित हो रही हैं, वैश्विक तनाव को बढ़ाने से बचने के लिए अमेरिका को इन चुनौतियों का सावधानीपूर्वक सामना करना होगा. हैरिस-ट्रंप बहस के दौरान उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण विदेश नीति मुद्दों में से एक अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी थी. यह एक विवादास्पद विषय जो जनता की राय को विभाजित करता रहा है. दोनों उम्मीदवारों को वापसी के दीर्घकालिक प्रभावों को संबोधित करना पड़ा है, विशेष रूप से वैश्विक मंच पर अमेरिका की विश्वसनीयता और भविष्य के सुरक्षा जोखिमों को प्रबंधित करने की इसकी क्षमता के संदर्भ में. कमला हैरिस ने चल रहे संघर्षों से निपटने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है, जबकि ट्रंप विदेश नीति के आर्थिक पहलुओं, विशेष रूप से व्यापार पर केंद्रित हैं. ट्रंप की विदेश नीति का एजेंडा आर्थिक विचारों से काफी प्रभावित है. अपने पिछले प्रशासन के दौरान ट्रंप ने व्यापार डील, विशेष रूप से चीन के साथ फिर से बातचीत करने पर काफी जोर दिया. टैरिफ पर उनके रुख से उम्मीद है कि अगर वे फिर से सत्ता में आते हैं तो उनकी विदेश नीति में अहम भूमिका होगी. ट्रंप ने चीनी आयात पर भी 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने का सुझाव दिया है. यह एक ऐसा कदम जो व्यापार तनाव को बढ़ा सकता है और संभवतः चीन की ओर से जवाबी कार्रवाई को बढ़ावा दे सकता है. ऐसे में इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत जैसे देशों पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा. किसी भी व्यापक टैरिफ से भारत को राजस्व हानि हो सकती है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है. दूसरी ओर हैरिस ने व्यापार के प्रति अधिक संतुलित दृष्टिकोण व्यक्त किया है, जिसमें गठबंधन बनाने और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है. हालांकि उन्होंने विस्तृत आर्थिक योजना की रूपरेखा नहीं बनाई है, लेकिन उनके प्रशासन द्वारा ट्रंप की समर्थित संरक्षणवादी नीतियों से बचने के लिए अधिक बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाने की संभावना है. इससे अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ अधिक सहयोगात्मक संबंध बन सकते हैं, विशेष रूप से एशिया में, जहां आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता प्रमुख प्राथमिकताएं हैं. यह चीन के खिलाफ कैसे काम करता है, यह देखना अभी बाकी है. मध्य पूर्व विदेश नीति के फोकस का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र बना हुआ है, जहां दोनों उम्मीदवार बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण पेश कर रहे हैं. ट्रंप ने इजराइल के समर्थन में एक कठोर रुख अपनाया है, और निरंतर सैन्य और आर्थिक सहायता प्रदान करने का वचन दिया है. अमेरिकी दूतावास को यरुशलम में स्थानांतरित करने और गोलान हाइट्स पर इजराइल की संप्रभुता को मान्यता देने के उनके प्रशासन के फैसले ने इस क्षेत्र के प्रति अमेरिकी विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया. ट्रंप का इजराइल के लिए मजबूत समर्थन जारी रहने की संभावना है, जिसका मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन पर संभावित प्रभाव पड़ सकता है. इसके विपरीत, हैरिस ने इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के लिए दो-राज्य समाधान का समर्थन करते हुए अधिक संतुलित दृष्टिकोण की वकालत की है. जबकि वह इजराइल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के महत्व को पहचानती हैं, हैरिस इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तनाव को कम करने की कोशिश करते हुए अधिक कूटनीतिक रणनीति का पालन करने की संभावना है. इसमें संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए नए सिरे से प्रयास शामिल हो सकते हैं. हालांकि, क्षेत्र में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए, ऐसा समाधान प्राप्त करना कोई आसान काम नहीं होगा. रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में जगह बनाई है और दोनों उम्मीदवारों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्ष में अमेरिका की भागीदारी प्राथमिकता बनी रहेगी।

ठहराव के बाद ही होती है सही और सार्थक शुरुआत

जीवन सतत गतिमान बने रहने का नाम है। जब तक जीवन है, हमें सक्रिय रहना है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी भी है कि हम खुद को क्रियाशील बनाए रखें। लगातार लोगों से मिलते रहना, बोलते और सुनते रहना, सोचते रहना, अपने काम में मसरूफ रहना, एक तरह की अनवरत यात्रा में बने रहना, यकीनन खुशियां देता है, अवसाद से दूर रखता है। पर, जब भीतर से मन ठहराव चाह रहा हो, तब क्या कुछ देर के लिए किनारे जाकर खुद को मुक्त कर देना सक्रियता की तरह ही आवश्यक और स्वाभाविक नहीं होना चाहिए? ऐसा भी नहीं कि हमें लगातार चलते ही जाना है। लंबी यात्रा के लिए कुछ पड़ाव भी जरूरी होंगे। जीवन मे गति जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है थोड़ा-सा ठहराव। कुछ भी न करने का भाव, किसी को कुछ भी जताने, दिखाने, अपने आप को सिद्ध करने, उम्मीदों पर खरे उतरने, खुद को बदलने या लगातार बेहतर करते रहने की सनक में तब्दील होती तीव्र इच्छा जैसे अनावश्यक बोझ से खुद को कुछ समय के लिए मुक्त करने का भाव। यही जीवन का मानसिक ठहराव और तनिक विश्राम का जरूरी पड़ाव है, जो हमारी आगे की यात्रा को अर्थपूर्ण और सहज बनाता है। कुछ भी न करने का मन, स्वस्थ और सक्रिय व्यक्ति के मन में भी आ सकता है। असल में यह मानसिक परेशानी नहीं है। यह अपने मन को आराम देने का तरीका हो सकता है, जिससे मानसिक दबाव, अवसाद से भी बचाव संभव है। यह जरूर है कि अगर ऐसा लगातार बना हुआ है, शारीरिक, मानसिक परेशानियां भी हम महसूस कर रहे हैं तो हमें चिकित्सक या अपनों से सलाह लेनी चाहिए। अपनी तात्कालिक परिस्थिति को पूरी तरह स्वीकार करते हुए हर हाल में संतुष्ट बने रहने का भाव या ठहराव, यात्रा की गति में अवरोधक नहीं बनता है। यह अल्प विराम बहुत जरूरी है, ताकि हम सही दिशा में सही तरीके से गतिवान बने रह सकें। जिस तरह सतत सक्रिय बने रहना ही हमारे अस्तित्व या जीवन का प्रमाण नहीं है, वैसे ही विश्राम या ठहराव की स्थिति भी किसी अंत की घोषणा नहीं होती। कभी-कभी ठहराव के बाद ही सही और सार्थक शुरुआत होती है। नया रास्ता दिखाई देने लगता है जो लक्ष्य के करीब पहुंचना सुगम कर देता है। स्वस्थ, नवोन्मेषी विचारों का प्रादुर्भाव भी समुचित ठहराव के बाद और शांत मन:स्थिति में संभव हो पाता है। मुश्किल यह है कि जीवन की तमाम आपाधापी में इस आवश्यक विश्राम या ठहराव के बारे में हम सोच नहीं पाते। लगातार जुटे रहते हुए हमारा ध्यान इस बात पर जाता नहीं कि वास्तव में इतने क्रियाशील और अधिक व्यस्त हो गए हैं कि रुकने, थमने का थोड़ा भी समय हम नहीं निकाल पा रहे। हम सभी के पास सीमित शारीरिक क्षमता होती है। अपने सामर्थ्य से अधिक काम करने पर थक जाना एक स्वाभाविक लक्षण है। हमें विश्राम की जरूरत पड़ने लगती है। विचारों के उद्वेग से उत्पन्न मानसिक दबाव को लंबे समय तक झेला तो जा सकता है, लेकिन उसका दुष्प्रभाव हमारे मस्तिष्क को भी थकाने का काम करता है। यही कारण है कि मनुष्य को नींद लेने की नैसर्गिक सौगात मिली हुई है। यह एक ऐसा दैनिक ठहराव या विश्राम का दैनिक पड़ाव है, जिससे हमारे तन और मन का जरूरी रखरखाव होता रहता है। जल्दी से जल्दी गंतव्य तक पहुंचने की जिद में शरीर और दिमाग को तेज दौड़ाने के प्रयास भी हम करते हैं कभी-कभी। दिमाग को निरंतर अनावश्यक रूप से सक्रिय बनाए रखते हैं। थोड़ी फुर्सत में खाली बैठते हैं, तब भी दिमाग मे कोई न कोई विचार उछलकूद करता रहता है। भूतकाल के कष्ट और भविष्य के सपने और सवाल मन को बेचैन बनाए रहते हैं। जबकि वर्तमान, जो हमारा वास्तविक जीवन है, उसमें सक्रियता और ठहराव के लिए निकट के प्रत्यक्ष अवसर हम नहीं देख पाते। मानसिक विश्राम को लेकर समाज में, हमारे खुद के मन में बड़ी उदासीनता मौजूद है। रात को भरपूर नींद लेना या किसी पर्यटन स्थल पर चले जाना ही जीवन में ठहराव नहीं है। इस जरूरी सुकून और ठहराव के लिए रोजमर्रा की गतिविधियों में भी अपने ध्यान को केंद्रित कर राहत और विश्राम के पलों को जीया जा सकता है। किसी निर्माणाधीन मकान के सामने आराम से बैठ कर उसके बनने की प्रक्रिया को निहारने के अलावा किसी बगीचे में माली को काम करते या बालकनी में बैठकर सड़क की ओर देखा जा सकता है। समय निकालकर अपनी घरेलू सहायक या सहायिका के दुख-दर्द को सुना और उसकी खुशियों के भागीदार बना जा सकता है। जिन्हें हम देख रहे हैं।

हमारे विकास का इंजन बनेंगे खास बारह औद्योगिक शहर

विकसित भारत की राह बेशक विनिर्माण क्षेत्र से होकर गुजरती है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है और ऐसा करना एक आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुरूप है। जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनमें व्यापार को आसान बनाने और व्यापार की लागत घटाने के उपाय शामिल हैं। इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक बुनियादी ढांचे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। फिलहाल, देश भर में 4,400 से अधिक औद्योगिक पार्क/क्षेत्र हैं, जिनमें से 64 प्रतिशत मिश्रित उपयोग वाले हैं। वैसे, हाल ही में क्षेत्र-विशेष आधारित पार्कों की ओर रुझान बढ़ा है। गौर करने की बात है कि देश में कुल औद्योगिक पार्क या क्षेत्र का 75 प्रतिशत हिस्सा पांच राज्यों में ही है। जाहिर है, विशेष औद्योगिक क्षेत्रों ने इन राज्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब सरकार ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम, यानी एनआईसीडीपी के तहत 12 नए औद्योगिक शहर बनाए जाएंगे। इस काम के लिए केंद्र ने 28,602 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। ये शहर देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे। वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाएंगे। 40 लाख प्रत्यक्ष व परोक्ष रोजगार पैदा करेंगे और 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश को आकर्षित कर आर्थिक विकास के इंजन के रूप में काम करेंगे। उद्योग के दृष्टिकोण से राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम देश की जरूरत है। यह बात अक्सर चर्चा में आती है कि यह भारत का समय है। भारत को एक वैश्विक उत्पादन केंद्र बनना होगा। तमाम तरह की वस्तुओं के उत्पादन व विश्व स्तर पर आपूर्ति में भी उसे आगे आना होगा। भू-राजनीतिक वजहों से भी उसके लिए वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का समय आ गया है। औद्योगिक शहरों के बनने से निवेश को जमीन पर साकार करने का समय कम हो जाएगा। अब ऐसा परिवेश देना जरूरी है कि निवेशकों का समूह विनिर्माण या मैन्युफैक्चरिंग तंत्र का तेजी से विकास कर सके। ध्यान रहे, 2030 तक निर्यात में दो ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को पाने के लिए विशेष औद्योगिक शहर चाहिए। भारत की उच्च लॉजिस्टिक्स लागत चिंता का विषय रही है। उत्पादों के परिवहन का खर्च ज्यादा हो जाता है। जब औद्योगिक शहरों का विकास होगा, तो उत्पादों की परिवहन सुविधा बढ़ेगी और लागत घट जाएगी। उत्पादन या सामान परिवहन के मामले में भारत अपनी स्थिति सुधारने के प्रयासों में लगा है। इस मोर्चे पर रैंकिंग सुधारने के लिए 2022 में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) की घोषणा की गई थी। जब एक ही औद्योगिक शहर में सभी जरूरी उत्पाद उपलब्ध होंगे, तो किसी भी वस्तु की निर्माण लागत में कमी आएगी। भारतीय उत्पादों को किफायती या विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाने के लिए लागत को हर स्तर पर घटाना होगा, ताकि ग्राहकों को वाजिब मूल्य पर सामान उपलब्ध हो सकें। शहरीकरण विकास की ही एक शाखा है। भारत में शहरी नियोजन में सुधार होना चाहिए। नए स्मार्ट शहर विकसित करके और 'वॉक टु वर्क' अवधारणा को बढ़ावा देकर हमें अपना नजरिया बदलना होगा। सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन शहरों में हरित टेक्नोलॉजी का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। ऐसे शहरों का विकास केंद्र बनना जरूरी है, ताकि उनके आसपास जरूरी उत्पादन व सेवा के उद्यम स्थापित हो सकें। जब नौकरियां बनेंगी। आजीविका का सृजन होगा, तो देश का सामाजिक-आर्थिक उत्थान भी होगा।

राहुल ने अमेरिका में सिक्खों पर दिए गए बयान पर राहुल गांधी ने कहा- झूठ फैला रही है बीजेपी

आज का राशिफल

मेष – [illegible] शुभांक-2-4-6

वृषभ – [illegible] शुभांक-3-4-5

मिथुन – [illegible] शुभांक-2-4-5

कर्क – [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह – [illegible] शुभांक-4-6-8

कन्या – [illegible] शुभांक-2-5-7

तुला – [illegible] शुभांक-3-6-7

वृश्चिक – [illegible] शुभांक-2-4-6

धनु – [illegible] शुभांक-4-6-8

मकर – [illegible] शुभांक-6-7-9

कुंभ – [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन – [illegible] शुभांक-2-4-8

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5366

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5365

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

वर्ग पहेली 5366

संकेत: बाएं से दाएं

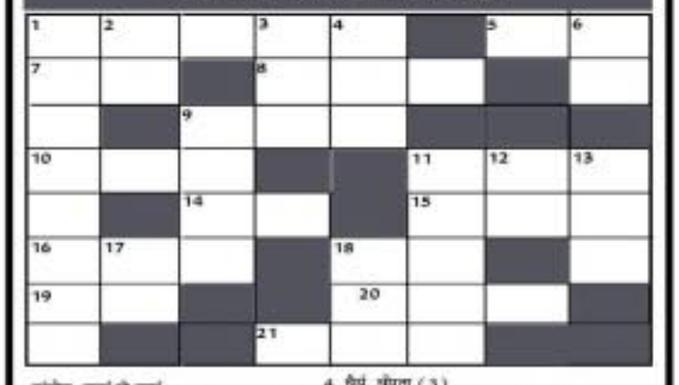

1. 19 जून को कांग्रेस के वर्तमान राजनीतिज्ञ का जन्मदिवस है (5)
5. संक्षेप से, हेतु, वास्ते (2)
7. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
8. धारण करने वाला, वैशाखी (3)
9. रोगी, जिसे कोई मर्ज हो (3)
10. रस्म, प्रथा, रीति (3)
11. झुकाना, लचकाना, अवनमित करवाना (3)
14. पौधा, कढ़ा-बुना हुआ (2)
15. चिड़चिड़ाहट, झुलसन (3)
16. कुशल, दक्ष, निपुण (3)
18. महसूल, टैक्स, हस्त, हाथ (2)
19. प्रणाम करता हुआ, अवनमित, झुका हुआ (2)
20. नियम पालन, निष्ठा निर्वाह (3)
21. फलदायक, फल देनेवाला, फलद, सुफल (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध पौराणिक कृति (8)
2. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
3. यह गांधार देशाधिपति सुबल की पुत्री थी शकुनि इनके भाई थे (3)
4. धैर्य, धीरता (3)
6. तीक्ष्ण, कार्यक्षम, गहन प्रभावी (2)
9. विजय, व्यापार, इस नाम की दो फिल्मों के नायक क्रमशः विश्वजीत (1965) व अमिताभ बच्चन (1974) थे (4)
11. जो नजरों से ओझल कर कैद किया गया हो, नजरकैदी (5)
12. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन, अन्नाद्य, स्वादिष्ट आहार (2)
13. ये सिख संप्रदाय के आदि गुरु थे (3)
17. भलाई, उपकार, कल्याण, अंतर्हित (2)
18. कपालनिष्ठ कठोर, कर्कश, खुरदरा, संपूर्ण खोपड़ी (3)

वर्ग पहेली 5365 का हल

वि	ली		भ	र	त	पु	र
त	ना		ला	भ		रा	ज
	पं	ढ		ना	दि	र	
अ	धा	व	त		ल		ह
	व	त	न		ज	मी	का
की	र		ब	द	ला	ना	
म	क	मा	द				री
	र	ख	न	गी		सी	म

चिकित्सकों से नि:शुल्क उपचार प्राप्त किया सैकड़ों नागरिकों ने...

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत भाजपा ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 74वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में स्थानीय फतेहपुरीया अग्रवाल धर्मशाला बस स्टैंड पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, सांस्कृतिक प्रकोष्ठप्रदेश सह संयोजक एंव कार्यक्रम जिला प्रभारी प्रितेश चावला, भाजपा मंडल अध्यक्ष गण अरविंद सारस्वत, अजय आसेरी, जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी, नगरपालिका उपाध्यक्ष नम्रता चावला मंचस्थ थे। श्री सिद्धिविनायक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 14 प्रमुख चिकित्सकों की देखरेख में नगर की जनता को जनरल, लेप्रोस्कोपिक, इंडोस्कोपिक, प्रसूति एंव स्त्री रोग, जनरल फिजिशियन, फिजियोथेरेपिस्ट,

होम्योपैथिक एंव आयुर्वेदी चिकित्सा, नाक, कान, गला, दंत रोग, पैथोलॉजी सहित कई प्रकार की बीमारियों की जांच एंव उपचार की सुविधा सैकडों नागरिकों को प्राप्त हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रूप में एक ऐसा नेतृत्व मिला है जो अपना जन्मदिन चुनिंदा लोगो बीच ना मनाते हुए पूरे देश में सेवा पखवाडे के रूप में मना रहा है। हमें प्रधानमंत्री जी की भावना अनुरूप राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करते हुए गरीब परिवारों की चिंता करते रहना होगी। आज इस शिविर के माध्यम से सैकडों गरीब एंव मध्यम वर्गीय परिवार के सदस्य प्रसिद्ध चिकित्सको के माध्यम से उपचार प्राप्त करेंगे। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने इस अवसर पर कहा की आज भाजपा पुरे देश में प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस को सामाजिक एंव रचनात्मक कार्य सेवा पखवाडे के माध्यम से पूर्ण कर रही है। इस अवसर पर में सेवा देने उपस्थित हुए नगर के सम्मानीय चिकित्सकगणों का आभार व्यक्त करता हूं और निश्चित ही आपके सेवा कार्य प्रशंसनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा कि मध्यप्रदेश मे हम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 74वां जन्मदिवस केक काटकर नहीं वरन आम जनता के बीच सेवा कार्य करते हुए मना रहे है। पुरे जिले में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान शिविर, स्कुल अस्पताल स्वच्छता अभियान, उपकरण वितरण, दिव्यांग उपकरण वितरण, वृक्षारोपण अभियान (एक पेड मॉ के नाम), पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती, घर-घर संपर्कअभियान एंव 100 भाजपा के नये सदस्य बनाना एंव विशेष स्वच्छता अभियान चला रहे है।

इस अवसर पर शिवराज सिंह राणा, अंकित सोनी, पुलकित पटवा, बंटी चौहान, सुमित सेन, विजय सुराणा, राजाराम तंवर, पुरुषोत्तम चंदवानी, अरुण शर्मा, दलपत सिंह डांगी, आशिष गोड, गोवर्धन कुमावत, ईश्वरसिंह चौहान, कमलेश सिसोदिया, विक्रम भेरवे, दीपक गाजवा, सुनीता भावसार, रेखा सोनी, विद्या कडोतिया, अनिल गुप्ता, अजीज उल्लाह खॉन, आशीष खमेसरा, मुकेश शर्मा, कन्हैयालाल भाटी, रमा माथुर, अरविंद नवले, प्रिंस सिसोदिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ.राजमल सेठिया ने किया एंव आभार डॉ राजेश बोराना ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

दो गौवंश को मुक्त कराया, दो आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। गौतस्करी के आरोपियों को पकडने के लिए गौरक्षा दल की मुहिम जारी है। इसी के तहत बीती रात्रि पिकअप में भरकर जा रहे दो गौवंश को मुक्त कराया। गौरक्षा दल प्रदेश अध्यक्ष गोपालसिंह, उपाध्यक्ष हेमेन्द्रसिंह राठौर, विनोद पाटीदार आदि ने पिपलियामंडी पुलिस की मदद से महू-नीमच मार्ग पर पिकअप (आरजे 09 जीबी 5959) को रोका, तलाशी के दौरान उसमें दो गौवंश क्रूरता पूर्वक भरे होना पाए। जिन्हें मुक्त कराकर गौशाला भिजवाया। पुलिस ने पिकअप में सवार लालपुरा (राशमी, चित्तोड़गढ) निवासी रतनलाल (39) पिता लोभा अहीर व रतनलाल (28) पिता मोहन अहीर को पकडा। दोनों आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

देश की आजादी के महानायक भगत सिंह का जन्मदिवस 28 को दशपुर जागृति संगठन मनाएगा

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर जागृति संगठन जिला इकाई मंदसौर द्वारा 28 सितंबर शनिवार को संध्या 8 बजे नगर पालिका के समीप गांधी चौराहे पर तीन मशाले की प्रज्वलन के साथ साम्राज्यवाद मुर्दाबाद इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ क्रांतिकारी भगतसिंह का जन्मदिवस मनाया जाएगा।

इस दौरान भगत सिंह के फांसी के एक दिन पूर्व लिखे पत्र के वचन के साथ यह दिवस मनाने का संकल्प संगठन के सभी पदाधिकारी ने लिया है। कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए संगठन के प्रमुख आधार स्तंभ घर-घर क्रांतिकारियों को पहुंचाने वालों का संकल्प लेकर आगे बढ रहे चंद्रप्रकाश बिश्नोई ने यह कार्यक्रम आयोजन करने का संगठन को पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने कहा कि संगठन लगातार 15 वर्षों से कार्य कर रहा है अब समय क्रांतिकारियों का आ चुका है यह देश का दुर्भाग्य है की अभी भी देश के राजनेताओं ने सरकारी संपत्तियों के नाम नेताओं का करने का दौर काम नहीं कर है जिसका खामियाजा भुगतना पड रहा है क्रांतिकारियों के बलिदान को अपने स्वार्थ के कारण दबाने वाले राजनेताओं को अपने मुंह की खानी पडी है यही कारण रहा है कि धर्म राजनीति जातिवाद से ऊपर उठकर देश के राजनेता बात नहीं रख सके इसका काम को बड़ी मजबूती के साथ संगठन ने अपने हाथ में लिया है। संगठन ने संकल्प लिया है कि जो भी राजनेता अपने स्वार्थ के कारण भ्रष्टाचार में लिफ्ट होकर कार्य कर रहे हैं उन्हें 2026 तक क्रांतिकारियों के देश में जेल में जाना पडेगा। संगठन के उपाध्यक्ष इंजीनियर बी एस सिसोदिया ने आवश्यक बैठक में कहा है कि संगठन के सभी पदाधिकारी अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज कराये। संगठन के संरक्षक राजाराम तंवर, डॉ रविंद्र पांडे, महिला इकाई अध्यक्ष डॉ उर्मिला तोमर, संगठन के कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, सह कोषाध्यक्ष अरुण गौड, महिला नगर अध्यक्ष सीमा चौरडिया, प्रवक्ता बलराम ने इस बैठक में निर्णय लिया कि संगठन ने जो भी मांग रखी और राष्ट्रीय स्तर पर

पहुंचाने का भगत सिंह के जन्म दिवस पर हम पूरा करने का प्रयास करेंगे। भगत सिंह का सपना साम्राज्यवाद मुर्दाबाद इंकलाब जिंदाबाद का नारा मुखर किया जाएगा। देशभक्ति क्रियाशील हो चुके हैं भ्रष्टाचार्यों कीं संपत्ति राज सात होने का दौर शुरू हो चुका है इन भ्रष्टाचारियों राजनेताओं को संरक्षण देने वालों को भी जेल की यात्रा करना पडेगी जो ईमानदार राजनेता है उन्हें जनता अपने सर आंखों पर रखेगी। यही कारण रहा कि आज देश के अंदर महाराष्ट्र में आंध्र प्रदेश में बहुत से राजनेताओं की संपत्तियों की जांच की जा चुकी है जिसमें अधिकारियों का भी संरक्षण प्राप्त है इसके लिए संगठन लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय पर संपर्क बनाए हुए हैं। संगठन ने आह्वान किया है कि भगत सिंह का जन्म दिवस में अपना समय अवश्य निकले और कार्यक्रम को सफल बनाएं अब लंबे समय मुंह में राम बगल में छुरी नहीं चलेगा जो यदि मंचों से बोलते हैं वही क्रिया में होना चाहिए। यह जानकारी संगठन संयोजक सत्येंद्र सिंह सोम ने दी।

निरंकारी मिशन नारी शक्ति को आध्यात्म की शिक्षा देकर निरंकार से जोड़ रहा-बहन भूषणजी

संत निरंकारी महिला समागम में 15 शहरों से 400 संत व 1 हजार से अधिक धर्मालुजनों ने की सहभागिता

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। संत निरंकारी मंडल दिल्ली जोन उज्जैन ब्रांच मंदसौर के तत्वाधान में एक दिवसीय जोन स्तरीर महिला समागम का आयोजन श्री झूलेलाल सिन्धु महल मंदसौर में भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 15 शहरों से 400 संत व 1 हजार से अधिक बहने व महापुरूषों शामिल हुए। बहनों ने कार्यक्रम में गीत, भजन, विचार, कविताएं, नाट्य प्रस्तुतियां देकर सतगुरु के संदेश को अपने जीवन में उतारने हेतु संगत को प्रेरित किया।

कार्यकम की शुरुवात हरदेव वाणी के मधुर गायन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भीलवाडा से आई परम आदरणीय बहन रुकमणी भूषण जी ने की। आपने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा की संत निरंकारी मिशन नारियो को शिक्षित कर रहा है की कैसे स्वयं के सम्मान के साथ और परिवार के गृहस्थ जीवन में रहकर स्वयं और परिवार को आध्यात्म से जोडे, आज हम विश्व में देखते है कि हर तरफ अशांति, नफरत, हिंसा है। निरंकारी मिशन नारी शक्ति को आध्यात्म की शिक्षा देकर निरंकार से जोड रहा है। चूंकि नारी एक शक्ति है, जननी है, सृजनकर्ता है, अगर नारी आध्यात्मिक होगी तो परिवार को भी आध्यात्मिक बनाएगी, जिससे विश्व का कल्याण होगा। मानव मानव से जुडेगा, यही मिशन की सीख है। आज सतगुरु माता सुदीक्षा जी अपनी कल्याण यात्राओं द्वारा यही सन्देश दे रही है मानव मानव से प्यार करे और विश्व का कल्याण करें। संचालन पूज्य बहन सपना गनवानी जी रतलाम एवम पूज्य बहन प्रिया रामवानी जी नीमच ने किया। उज्जैन जोनल इंचार्ज श्री राजकुमार गनवानी व मंदसौर ब्रांच के संयोजक श्री महेश देवनानी ने अंत में समागम आये हुए सभी संतो महात्माओं व बहनों का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी मिडिया सहायक शीतलदास कोतक ने दी।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह में सक्रिय सहभागिता करने वालों का आज एक मंच पर एकत्रीकरण

श्री गुंदेश्वर महादेव ट्रस्ट व टीम अंकित माहेश्वरी करेगी तमाम झांकियों, अखाड़ों व मंचों के संचालकों का सम्मान

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष शहर में अनंत चतुर्दशी की रात्रि शहर में झिलमिलाती झांकियों का कारवां निकलता है वहीं आश्चर्यजनक करतब दिखाने वाले अखाड़ों का काफिला भी साथ रहता है, साथ ही इस विशाल चल समारोह के स्वागत हेतु विभिन्न सामाजिक व धार्मिक समितियों द्वारा मंच भी बनाए जाते हैं, लेकिन अब तक शहर में ऐसा कोई आयोजन नहीं हुआ जो तमाम झांकियों, अखाड़ों, स्वागत मंच का एक साथ सम्मान करे। इसी को दृष्टिगत रखते हुए श्री गुंदेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट जनकूपुरा व टीम अंकित माहेश्वरी ने यह निर्णय लिया कि इस साल सम्पूर्ण अनंत चतुर्दशी के चल समारोह में सक्रिय सहभागिता करने वालों को एक मंच पर एकत्र कर उनका सम्मान किया जाएगा। यह आयोजन दिनांक 24 सितम्बर 2024 की संध्या 7 बजे से श्री गुंदेश्वर महादेव मंदिर राम मोहल्ला जनकूपुरा पर आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष जितेंद्र जाट, ट्रस्टी अंकित माहेश्वरी ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया व नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता गौरव अग्रवाल करेंगे। समारोह के विशिष्टअतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, आलोक शर्मा, आशुतोष नवाल, युवा प्रेस क्लब अध्यक्ष महावीर जैन, रेडक्रॉस चेयरमैन प्रितेश चावला, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, भाजपा नेता विनय दुबेला, भाजपा नेता अंशुल बैरागी, विहिप जिला महामंत्री हेमंत बुलचंदानी होंगे। आयोजन के दौरान यहाँ प्रतिष्ठित श्री गुंदेश्वर बालाजी की महाआरती भी की जाएगी। श्री गुंदेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठअरविंद कागला, श्याम पांडेय, रवि

जाट, ललित एम पटेल, नकुल माहेश्वरी, अनूप माहेश्वरी सहित मंदिर ट्रस्ट ने समस्त धर्मप्राण जनता से अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील की है।

सोना 440 बढ़कर 74,533 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। सोना आज यानी 23 सितंबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 440 रुपए बढ़कर 74,533 रुपए पर पहुंच गया. इससे पहले इसके दाम 74,093 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी में आज गिरावट है. ये 508 रुपए कम होकर 88,409 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 88,917 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना- एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढत देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने बाल एवं कुमार श्रमिकों की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। किसी नियोजक द्वारा बाल श्रम से कार्य कराया जा रहा है तो उस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। 14 से 18 वर्ष के बालक व बालिका से किसी संस्था या उद्योग में कार्य कराया जा रहा है तो निरीक्षण कर नियोजक पर कार्यवाही की जाए। बाल श्रमिक पाए जाने पर नियोजक को 20 हजार से 50 हजार तक जुर्माना या 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास अथवा दोनों से दण्डित किया जाएगा।

नवांकुर संस्था केशव आदर्श सामाजिक संस्था द्वारा स्वच्छता संवाद आयोजित कर दिलाई शपथ

मनासा, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मप्र जनअभियान परिषद के मनासा ब्लॉक की नवांकुर संस्था मनासा केशव आदर्श सामाजिक संस्था द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाडा के तहत मनासा में 'स्वच्छता संवाद' आयोजित किया। जिसमे कार्यक्रम समन्वयक धीरज राठौर ने उपस्थितजनो को स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में बताया की हमारे दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाते हुए प्रति सप्ताह 2 घण्टे वर्ष में 100 घण्टे स्वच्छता हेतु श्रमदान करना चाहिए। अपने गांव, मोहल्ले अपने आसपास स्वच्छता के प्रति जागरूक रहकर स्वच्छता बनाए रखे। इस दौरान सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

मंदसौर जिले को संभाग बनाओ

मंदसौर जिला नीमच रतलाम का मध्य सडक रेल और वायु मार्ग से संबंध रही राजनीतिक इच्छा शक्ति कमी रतलाम को मिली राजनीतिक नमी। होता है हर बार सौतेला व्यवहार मंदसौर का दुर्भाग्य नहीं बन रहा संभाग। हक की लडाई आवाज उठाओ मंदसौर जिले को संभाग बनाओ।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

निराश्रित और निर्धन दिवंगतों की अस्थियां लेकर...

बंसल और साथीगण आज करेंगे हरिद्वार प्रस्थान

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्षद और समाजसेवी सेवा बैंक के संचालक सुनील बंसल आज मंगलवार को निराश्रित और निर्धन दिवंगतों के अस्थि कलश लेकर गंगा जी में प्रवाहित करने हरिद्वार प्रस्थान कर रहे हैं। उसके पूर्व सोमवार को पंडित पंकज उपाध्याय के सानिध्य में श्री बंसल ने विधि विधान से अस्थियों की पूजा की।

श्री बंसल के साथ 11 और साथी भी जाएंगे। वे 50 पुरुषों और 13 महिला दिवंगतों के अस्थि कलश गंगा जी में प्रवाहित करेंगे। 13 वानरों की अस्थियां भी ले जाएंगे। उनके साथ इस पुनीत कार्य हेतु साथी गुरु एक्सप्रेस के प्रधान संपादक वरिष्ठपत्रकार आशुतोष नवाल, भरत शिंदे, सज्जन खिमेसरा, चंद्रशेखर निगम, शंभूसेन राठौर, कन्हैयालाल दया, बंशी साहू, सुरेश राठौर, रोहित कुमावत आदि भी जाएंगे। यह भी उल्लेखनीय है किसी बंसल के साथ प्रतिवर्ष नगर के अन्य सामाजिक कार्यकर्ता साथी भी इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए जाते हैं और हरिद्वार में श्री बंसल के साथ अस्थियां प्रवाहित करने के विधान में सम्मिलित होते हैं। श्री बंसल और साथी गण 24 सितम्बर मंगलवार को प्रात: 11.30 बजे उनके गणपति चौक स्थित संस्थान से प्रस्थान करेंगे। इस दिन प्रात: 11.30 बजे के पहले भी उन्हें और भी जानकारी में आएं तो अस्थि कलश उपलब्ध करा सकते हैं। उनके मोबाईल नम्बर 9425105777 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

आज रासेयो दिवस पर विशेष...

रासेयो युवाओं के लिए एक प्रेरक योजना है

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी पुण्य साधना स्थली सेवाग्राम वर्धा से ही राष्ट्रीय सेवा योजना का 24 सितंबर 1969 में ऐतिहासिक सूत्रपात हुआ था। विक्रम विश्वविद्यालय के बी ए प्रथम वर्ष के दो छात्र अशोक वक्त और आलोक मेहता भी अक्टूबर 69 मंत सेवाग्राम के इस कल्याण यज्ञ में सम्मिलित हुए थे। भारत सरका द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का इस आशय से शुभारंभ किया गया ताकि उच्च शिक्षा से जुडे विद्यार्थियों में समाज के प्रति दायित्व , चेतना स्व प्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना हो।

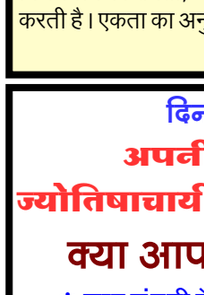

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) को 24 सित. को 55 साल पूरे हो गए हैं। प्रारंभ में 40 हजार छात्रों से ये योजना प्रारंभ हुई थी। इन 55 वर्षों में यह योजना 40 लाख से अधिक युवाओं के जीवन का हिस्सा बन चुकी है। इस योजना का आरंभ उन आदर्शों पर हुआ था, जो राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन और समाज सेवा के पति उनके गहरे समर्पण पर आधारित थे। हम अपनी संस्कृति से जुडे रहें अपने कर्तव्यों को समझते 'हुए समाज और राष्ट्र की उन्नति में भागीदार बनें। इसीलिए केन्द्र सरकार ने महात्मा गाँधी जन्म शताब्दी के उपलक्ष में केन्द्र सरकार ने इसकी शुरुआत की थी। एन एस एस के विद्यार्थी शिक्षा द्वारा समाज सेवा, समाज सेवा द्वारा शिक्षा के लक्ष्म के साथ न केवल समाज समुदाय और उनकी समस्याओ को समझते हैं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारकर कुशल नेतृत्व कर्ता के उभरते रूप में उभरते हैं । श्रम श्री महत्ता, समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन के लिये जागरूकता और विभिन्न सामुदायिक सेवाएँ छात्रों को जीवन की व्यावहारिक चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार करती है। इसके माध्यम से छात्र कई कौशल विकसित करते हैं। यह छात्रों की क्षमता, सदाचार, योजना निर्माण , कार्यान्वयन की प्रक्रिया, नेतृत्व विकास, ग्राम्य परिवेश को समझकर समस्या निवारण के लिए प्रयत्न करना निर्णय लेने की क्षमता, जीवन मूल्य , राष्ट्रीय चेतना राष्ट्रीय एकता का विकास करती है। एकता का अनुभव कराती है।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

दिनांक 24 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है...?

✲ जन्म कुंडली में द्वितीयेश और एकादशेश लाभ और अस्थिर सम्पत्ति को देने वाले भाव हैं, किसी भी जातक की कुंडली में इनके अधिपति का प्रबल संबंध हो तो उनकी दशा अंतर्दशा में निश्चय ही अचल सम्पत्ति संबंधित लाभ मिलता हैं।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

मंदसौर का 'मन्द' न हो सुर, मंदसौर को मिले संभाग का दर्जा

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्राचीन दशपुर की ख्याति हूणों को हराने की रही , अंग्रेजों को भगाने की रही , स्वतंत्रता की मशाल जलाने की रही। अच्छी और गर्व की बात है। पर आजादी के बाद मन्दसौर को हर बुनियादी और हक़ की मांग के लिये सदैव संघर्ष करना पडा , चाहे गवर्नमेंट कॉलेज , ब्रॉड गेज , मेडिकल कॉलेज , हवाई पट्टी , फूड प्रोसेसिंग उद्योग , खेल स्टेडियम , हॉर्टिकल्चर कॉलेज , एक्सप्रेस हाईवे , नलजल योजना , लिफ्ट इरिगेशन , चंबल का पानी , शिवना शुद्धिकरण , रेलवे दोहरीकरण , नई ट्रेनों का आवागमन और ठहराव , अफ़ीम भाव वृद्धि , डोडाचूरा खरीद , मादक द्रव्यों की अवैध तस्करी और अपराध , रोजगार के लिये उद्योगों की स्थापना , स्लेट पेंसिल आदि आदि अनेक हैं , कुछ मिली कुछ आधी अधूरी हैं , आशा की लो जगती जागती रहती है। हर बार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने उम्मीद कायम रखी है , यही उन्होंने कहना है और किये जाने का आश्वासन देना है ? बहरहाल फिर मन्दसौर के बुनियादी हक़ को लुटे जाने की आशंका प्रतीत होती है ? पर यह होगा नहीं , यह नहीं होने देंगे।

भौगोलिक , पारिस्थितिक , सडक मार्ग , रेल मार्ग , हवाई मार्ग , चित्तौड़गढ से रतलाम तक रेलवे दोहरीकरण रेल लाइन , प्रदेश की शीर्ष और स्थापित कृषि उपज मंडी , प्रदेश की सबसे बड़ी और एक शताब्दी से अधिक पुरानी स्थापित नगर पालिका , सर्वाधिक सोयाबीन , लहसुन , अफ़ीम उत्पादन में अग्रणी, साक्षरता की अगली पंक्ति में , वर्तमान के उज्जैन संभाग में सबसे बडा शासकीय महाविद्यालय मन्दसौर जहां सर्वाधिक विद्यार्थियों और उज्जैन के बाद सबसे अधिक विषयों का अध्ययन , श्रेष्ठपरिणाम , खेलों में प्रदेश क्या राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम गेम और इंडिविजुअल गेम्स में उल्लेखनीय प्रदर्शन , जागरूकता के पैमाने पर भी मन्दसौर अग्रणी है , सीमावर्ती जिलों नीमच , प्रतापगढ , कोटा , चित्तौड़गढ , रतलाम से हरसमय कनेक्टिविटी , प्रशासन पुलिस और हर विभागों के दफ्तरों , पर्याप्त स्थान , देशी - विदेशी सैलानियों पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र , गांधीसागर अभयारण्य , चीतों की प्रस्तावित बसाहट , विद्युत उत्पादन केंद्र , पर्यावरण के साथ सोलर एनर्जी में स्थापित , अद्वितीय अष्टमुखी पशुपतिनाथ महादेव मंदिर और निर्माणाधीन पशुपतिनाथ लोक , धर्म क्षेत्र कर्म क्षेत्र में अगुवाई करने वाले मन्दसौर को 'संभागीय मुख्यालय ' का दर्जा देना नितांत जरूरी और आवश्यक है। वर्तमान में अकेले मन्दसौर जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों के 955 गांव हैं वहीं नीमच , जावरा संसदीय क्षेत्र समेत आंकड़ा 2000 गांवों का बैठता है । मन्दसौर जिले में कोई 10 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में साढे तेरह लाख से अधिक आबादी है। गत लोकसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र में लगभग 20 लाख मतदाता थे। सबकी आस है कि मन्दसौर को संभाग का हक़ मिले और विकास की नई इबारत नए उत्साह और उमंग से लिखी जाय। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो आज सर्वाधिक अनुकूल स्थितियां हैं। जिले की एकमात्र सुरक्षित सीट मल्हारगढ से निर्वाचित विधायक प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के साथ वित्तमंत्री का सबसे महत्वपूर्ण महकमे के प्रमुख हैं। लोकसभा सांसद लगातार तीसरी बार मन्दसौर के इतिहास में सर्वाधिक मतों से विजयी होने वाले प्रतिनिधि हैं। मन्दसौर क्षेत्र से प्रदेश की ओर से वरिष्ठ किसान नेता को राज्यसभा के लिये चुना गया है। अन्य छह विधायक सत्तारूढ दल के सरकार में हैं। विपक्षी भी दरकिनार नहीं है जब मन्दसौर से विपक्ष के जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं और यह सुखद है कि पक्ष - विपक्ष दोनों ही दलों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की मंशा भी मन्दसौर को संभाग का दर्जा दिलाने में है। अब नागरिकों की अरसे से की जारही जायज़ और हर दृष्टिसे सार्थक मांग को मूर्त रूप प्रदान किया जाय। जनता लडे पर उसकी लडाई और वाज़िब मांग को हमने चुने वे जनप्रतिनिधि लडे तो आसानी होगी। निश्चित ही सेहरा भी उनके ही सिर होगा और हम अंचलवासी श्रेय भी उन्हें ही देंगे। अब जबकि राज्य सरकार ने संभाग , जिले और नगरीय क्षेत्रों के पुनर्गठन एवं परिसीमन के लिए वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति की है अर्थात काम गति पकडने वाला है , मन्दसौर पीछे नहीं रहना चाहिए यह समाज का , नागरिकों का , प्रशासकीय मशीनरी का , वातावरण का और जनप्रतिनिधियों का गुरुतर दायित्व है विश्वास करते हैं मन्दसौर के स्वर ' मन्द 'नहीं होंगे , पुरजोर 'शोर ' कर हक़ प्राप्त करेंगे। हम सबको भी सज़ग और सक्रिय रहना है आवश्यक हुआ तो चरणबद्ध लडाई भी लडना है इस विश्वास के साथ कि मन्दसौर को संभागीय मुख्यालय का दर्जा शासन की जारी होने वाली पहली सूची में मिलेगा।

डॉ घनश्याम बटवाल

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	68	2550	2681
उडद	82	6481	7300
सोयाबीन	6100	3901	4711
गैहु	3050	2625	3200
चना	245	6600	7471
मसुर	161	5611	6200
धनिया	318	5350	6811
लहसुन	11100	9000	28000
मैथी	870	5201	6321
अलसी	1930	5800	6300
सरसो	490	5700	6060
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	75	10000	14001
प्याज	1600	1000	4370
कलोंजी	15	10000	19185
डॉलर	7	5500	13160
तिल्ली	89	10501	13321
मटरसुखी	1	6607	6607
असालीया	44	10000	14000

बड़े अस्पताल में आयुष्मान पखवाड़ा के शुभारम्भ अवसर पर सांसद ने कहा....

आयुष्मान कार्ड से मरीजों ने 1.35 करोड़ रुपए का इलाज कराया

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। आयुष्मान पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ जिला अस्पताल परिसर में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यह पखवाडा 20 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा। आज आयुष्मान दिवस है, आज ही के दिन आयुष्मान कार्ड योजना का शुभारंभ हुआ था। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 दिवस का आयुष्मान पखवाडा चलाया गया। जिससे वंचित व्यक्ति भी आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। शुभारंभ अवसर पर लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक श्री देवीलाल धाकड, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, डॉक्टर, नर्स, आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे।

इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता द्वारा कहा गया कि आयुष्मान कार्ड योजना के माध्यम से जिला अस्पताल में 1 करोड 35 लाख रुपए का इलाज मरीजों ने मुफ्त में करवाया है। 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्ति को भी अब आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलेगा। वे भी अपना इलाज फ्री में कर सकेंगे। करोडों लोग आयुष्मान से जुडे हुए हैं और लाभ प्राप्त कर रहे हैं। एक समय था जब इलाज के लिए व्यक्ति को अपने गहने बेचना पडता था, लेकिन अब आयुष्मान कार्ड में उन सभी समस्याओं को समाप्त कर दिया है। मरीज के इलाज के पश्चात जांच की रिपोर्ट बार-बार गुम हो जाती है, जांच की रिपोर्ट का व्यवस्थित रिकार्ड संधारित हो, इसके लिए मरीज की आभा आईडी बनाई जा रही है। अब तक 10 लाख आभा आईडी बन चुकी है। जिला अस्पताल में भी डॉक्टर अपने-अपने कमरे में कंप्यूटर लगाए तथा रिपोर्ट को आभा आईडी पर दर्ज करें। देश की जनता के लिए सरकार वरदान बन कर आई है। उसके लिए सरकार लगातार जनकल्याण के काम कर रही है। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर द्वारा कहा गया कि, जहां-जहां पर आयुष्मान कार्ड नहीं पहुंचा वहां आयुष्मान कार्ड को पहुंचना है तथा सबको इस योजना का लाभ दिलाना है। सरकार ने आयुष्मान कार्ड योजना लागू करके बहुत ही अद्भुत काम किया है। मंदसौर में एक लाख से अधिक लोग उपचार करके आयुष्मान का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। हम सभी जन जागरूकता करें तथा इसका लाभ नागरिकों को पहुचाए। आभा कार्ड सभी का बने इसके लिए भी हम सभी को जागरूक करना है। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिला अस्पताल को शुभकामनाएं प्रदान की। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के लिए डिजिटल अकाउंट आभा आईडी कार्ड के रूप में बनाया जा रहा है। यह आभा कार्ड स्वास्थ्य का खाता है, जिसमें मरीज के रिकार्ड को आभा आईडी से से लिंक करना है, जिससे मरीज के इलाज का इतिहास भूल जाने पर याद दिलाने में बहुत मददगार साबित होगी। अब ओपीडी में आभा आईडी क्यूआर कोड से पर्ची जारी होगी। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामदेवी बंशी लाल गुर्जर द्वारा भी संबोधन प्रदान किया गया।

जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य विभाग आभा कार्ड बनाएं-कलेक्टर

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई की दौरान आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभा कार्ड बनवाएं। साथ ही सभी विभागों के कर्मचारियों का भी आभा कार्ड बनवाएं। स्वास्थ्य विभाग आभा कार्ड बनाने के लिए आरकेएस से कर्मचारियों का एक दल लगाए। आभा कार्ड कोई कार्ड नहीं है, बल्कि यह एक सुविधा है। जिसमें स्वास्थ्य संबंधी समस्त रिकार्ड उपलब्ध रहते हैं। ओपीडी की पर्ची आभा से स्कैन करके निकाले। बिना उसके कोई भी ओपीडी पर्ची न निकाले। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, वन मंडल अधिकारी श्री संजय रायखेरे, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

नगर पालिका कुत्तों के काटने से कोई दुर्घटना ना हो, इसके लिए वैज्ञानिक तरीके से काम करें। कुत्तों पर काम करने वाली टीम को प्रशिक्षण प्रदान करें। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान में ऐसे लोग जो इस क्षेत्र से जुडे है, उन लोगों को भी शामिल करें। प्रशिक्षण के पश्चात सिस्टमैटिक कार्य करें। स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत जिन विभागों ने बेहतर काम किया है, उनको 2 अक्टूबर के दिन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पब्लिक पॉइंट के साथ-साथ विभागों में भी साफ सफाई का कार्य बेहतर तरीके से हो। प्रत्येक कार्यालय में महिलाओं के लिए अलग से टॉयलेट बनाएं। प्रत्येक विभाग में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट होना चाहिए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरेलू कनेक्शन के उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेकर 1 किलो वाट का सोलर पैनल 60 हजार की लागत में लगवा सकते हैं। जिस पर 30 हजार की सब्सिडी दी जा रही है। इसके लिए पीएम सूर्य घर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए ऊर्जा विभाग व्यापक प्रसार करें।

इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन तो 735 करोड़ में बनेगी, उसके बाद 957 करोड़ रुपये खर्च होंगे

उज्जैन, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 1692 करोड़ रुपये की उज्जैन-इंदौर रोड सिक्स लेन परियोजना पर काम शुरू हो गया है। सड़क निर्माण से ज्यादा रुपया उसके ऑपरेशन-मेंटेनेंस पर खर्च होगा। सड़क तो 735 करोड रुपये में बन जाएगी मगर अगले 15 वर्ष तक उसके ऑपरेशन-मेंटेनेंस पर सरकार 957 करोड रुपये खर्च करेगी।

विशेष बात ये भी है कि डीपीआर में काफी संशोधन किया गया है। पहले योजना अमल में लाने को 1.35 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित करने, आठ फ्लाय ओवर और 70 अंडरपास बनाना प्रस्तावित था, मगर बाद में जमीन अधिग्रहण करना निरस्त किया और मार्ग में दो वृहद पुल, दो फ्लाई ओवर, छह अंडरपास बनाना तय किया। इतने पर भी प्रोजेक्ट की लागत घटने की बजाय बढी। इसका खुलकर जवाब कोई देने को राजी नहीं। मालूम हो कि स्टेट हाइवे नंबर- 59, उज्जैन-इदौर रोड सिक्सलेन परियोजना का काम धरातल पर शुरू हो गया है।

राष्ट्रपति ने किया था परियोजना का भूमिपूजन- अभी 19 सितंबर को परियोजना का भूमिपूजन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उज्जैन आकर किया था। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के मुताबिक 46.475 किलोमीटर लंबे उज्जैन-इंदौर फोरलेन सड़क मार्ग को दो वर्ष के भीतर सिक्सलेन में बदलने की कमान उदयपुर की रवि इन्फ्राबिल्ड कंपनी को 735 करोड रुपये में सौंपी है। योजना अनुरूप सिक्स लेन सड़क 15 साल के आपरेशन-मैंटनेंस के साथ उज्जैन में स्थित हरिफाटक पुल से इंदौर में स्थित अरविंदो अस्पताल के सामने तक बनाई जाएगी। निर्माण हाइब्रिड वार्षिकी पद्धति से पेव्ड शोल्डर के साथ होगा। मुख्य सड़क डामर की और आबादी क्षेत्र में एप्रोच रोड सीमेंट-कांक्रीट की बनाई जाएगी। परियोजना धरातल पर उतरने के बाद इस मार्ग से आवाजाही और सुलभ होगी।

इसी मार्ग से सर्वाधिक पर्यटक आते उज्जैन- उज्जैन में सर्वाधिक पर्यटक इसी इंदौर रोड के रास्ते आते हैं। उज्जैन को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में यही वो रोड है जहां सर्वाधिक दुर्घटनाएं भी होती है। बीते वर्ष 2023 में इस पर 226 दुर्घटनाएं हुई थीं जिनमें 210 लोग घायल हुए थे और 22 की मृत्यु हो गई थी।

यह भी जानिए- मध्य प्रदेश मंत्रीमंडल ने सिक्सलेन परियोजना 20 फरवरी 2024 को मंजूर की थी। तब कहा था कि अगले तीन माह में ठेकेदार का चयन कर दो वर्ष में सिक्स लेन बनवा लेंगे। मार्ग में सड़क सुरक्षा के उपाय करेंगे और सभी जंक्शन का सुधार कराएंगे। सड़क निर्माण कराने को 1692 करोड रुपये की विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) बनी है। सिविल वर्क पर 735 करोड रुपये खर्च होंगे। मुख्य सड़क डामर की बनाई जाएगी। आबादी क्षेत्र में क्षेत्रीय रहवासियों के सुरक्षित आवागमन के लिए अलग से सीमेंट-कांक्रीट की एप्रोच रोड बनाई जाएगी।

अभा श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण प्रांतीय महासभा का अधिवेशन राजगढ़ धार में संपन्न

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनाक 22.9.2024 रविवार को जिला गुर्जर गौड ब्राह्मण सभा राजगढ द्वारा अखिल भारतीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा का प्रांतीय अधिवेशन बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष पंडित राजेश जी त्रिवेदी ने की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महिला महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती माया राजेश जी त्रिवेदी और महासचिव महासभा प्रमोद जी व्यास थे ।बैठक का संचालन प्रांतीय महासचिव सुबोध शर्मा ने किया ।बैठक में अखिल भारतीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा के निर्वाचन को लेकर चर्चा की गई । चर्चा में महासभा द्वारा जो निर्वाचन किया जा रहा उसमे प्रांतीय महासभा का निर्वाचन नही करवाया जा रहा है। इस पर चर्चा में मंदसौर जिला के माहसचिव ओमप्रकाश शर्मा जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा ने अपने विचार रखे ।महासभा द्वारा जो निर्वाचन करवाया जा रहा है उसमे मध्य प्रदेश को अवसर नही मिला मध्य प्रदेश को भी अवसर मिलना चाहिए और प्रांतीय अध्यक्ष भाई साहब पंडित राजेश जी त्रिवेदी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका समर्थ इस अवसर पर मंदसौर रूपनारायण जी जोशी भेरूलालजीशर्मा अशोकजी दीक्षित पंकज जी शर्मा, गोविंद जोशी मैं अपनी उपस्थिति दर्ज की।

जिला गरबा मण्डल की बैठक कल

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला गरबा मण्डल अध्यक्ष श्री हिम्मत डांगी, संयोजक श्री सावन सांखला ने बताया कि जिला गरबा मण्डल की बैठक 25 सितम्बर बुधवार को दोप. 2.30 बजे बालागंज स्थित लोकमान्य तिलक स्कूल में रखी गई है। इस बैठक में नवरात्रि पर्व को हर्षोल्लास से मनाने पर विचार किया जायेगा। मंदसौर जिले एवं मंदसौर नगर के सभी गरबा मण्डलों के चयनित पदाधिकारियों से आग्रह है कि वे सभी इस महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेवे और अपने सुझावों से अवगत कराये।

महर्षि गौतम महिला सोश्यल ग्रुप ने बटुकों का सम्मान किया

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज की महिलाओं की संस्था महर्षि गोतम महिला सोश्यल ग्रुप द्वारा श्री पशुपति नाथ मन्दिर परिक्षेत्र स्थित संस्कृत पाठशाला के बटुक विद्यार्थियों का सम्मान किया। श्राद्ध पक्ष की पंचमी के प्रसंग पर यह प्रयोजन किया गया। ग्रुप की ओर से बटुकों के लिए भोजन पश्चात आसन भेंट किए गए।इस अवसर पर ग्रुप की श्री मती सोमलता जोशी, कृष्णा जोशी, आराधना शर्मा, राजश्री शर्मा, सीमा शर्मा, सोनल शर्मा श्रद्धा दीक्षित, संतोष शर्मा, गीता शर्मा, रमा शर्मा तथा नीता चौबे उपस्थित थीं।

दो महीने बाद भी दर्ज नहीं हो रही उपस्थिति

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कॉलेजों में एक जुलाई आनलाइन उपस्थिति शुरू हुई है, लेकिन अभी गिनती के शिक्षक ही ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि इसमें सबसे बड़ी समस्या नेटवर्क की है। नेटवर्क के लिए कॉलेज परिसर से बाहर निकलते हैं तो अनुपस्थिति लग जाती है।

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस और शासकीय स्वशासी महाविद्यालय के सभी शिक्षकों व कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप से दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि कॉलेजों में ऑनलाइन उपस्थिति की निगरानी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक स्तर के अधिकारी प्रतिदिन करेंगे। बता दें कि उच्च शिक्षा विभाग ने सार्थक एप केजरिये उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। तब शिक्षकों ने इसका विरोध किया था। शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने अपने मोबाइल में एप डाउनलोड तो कर लिया है, लेकिन उपस्थिति दर्ज कराते हैं तो चेक-इन यानी कॉलेज में आते ही उपस्थिति दर्ज हो रही है, लेकिन ड्यूटी पूरी होते समय चेक-आउट नहीं हो रहा है। यदि कोई शिक्षक अपनी कक्षा में जाकर चेक-इन करता है और चेक-आउट उससे कुछ दूरी पर करता है तो वो इसका कारण पूछता है।

इनका कहना...

शिक्षकों की शिकायत थी कि नेटवर्क सहित अन्य दिक्कतों के कारण एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं हो पा रही थी। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक समस्या थी, जिसे दूर किया गया है। अब आनलाइन उपस्थिति ही मान्य होगी।

सुनील कुमार वाजपेयी
विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा विभाग

जमानत पर चल रहे हत्या का आरोपी पहुंचा गांव, पुलिस ने दबोचा, धमकाने का आरोप

पुलिस बोली बाउंड ओवर करके छोड़ा, आवेदन दूसरे दिन आया

सुवासरा, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा गांव क्षेत्र में 2019 में हुई हत्या के मामले में जमानत पर चल रहे आरोपी पर पीड़ित परिवार ने धमकाने और समझौता करने का आरोप लगाया है। आरोपी जब गांव में पहुंचा तो पीड़ित परिवार ने गांव में सूचना दी। इस पर पुलिस ने आरोपी को धर लिया। हालांकि बाउंड ओवर कर उसे छोड दिया गया। दूसरी ओर पीड़ित परिवार ने दूसरे दिन आरोपी द्वारा उनके धमकाने और उन्हें समझोता करने के लिए बाध्य किया। पुलिस आवेदन की जांच कर रही है।

सुवासरा गांव निवासी डूंगरसिंह पिता भगवानसिंह सौंधिया ने थाने पर आवेदन दिया कि सुवासरा गांव के ही निवासी शरीफ खान पिता रियाज मोहम्मद उर्फ पप्पु एवं रियाज खान पिता शकुरखान शुक्रवार रात हथियार लेकर उसके घर पर आए मामले में समझोता करने के लिए दबाव बनाया और धमकी दी। इसी दौरान उन्होंने अपने परिचितों को बुलाया। जब भीड एकत्रित हुई तो आरोपी भाग निकला। उसी समय किसी ने पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड भी लिया। पुलिस ने उसे बाउंड ओवर करके छोड दिया। शनिवार को इस मामले में पीड़ित परिवार ने एक आवेदन सुवासरा थाने पर दिया। इसमें उन्होंने लिखा कि आरोपी नकाब लगाकर आए थे। उनके हाथों में हथियार थे और जाते जाते कहकर गए कि यदि एक महिने में समझोता नहीं किया तो अंजाम बुरा होगा। ग्रामीणों ने आवेदन में लिखा कि आरोपी कंजरों से मिलकर उनकी गाडियां चोरी करवा चुका है। ग्रामीणों के आवेदन देने से पहले पुलिस आरोपी को छोड़ चुकी थी। हालांकि इस मामले टीआई कमलेश प्रजापति का कहना यह कि आरोपी को सूचना मिलते ही पकड लिया था लेकिन वह जमानत पर था इसलिए बाउंड ओवर करके छोड़ दिया था। दूसरे दिन ग्रामीणों को आवेदन आया है। इस मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। परियोजना क्रियान्वयन इकाई मंदसौर द्वारा क्रियान्वित की जा रही गांधीसागर 1 समुह जल प्रदाय योजना में सहायक संस्था द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत ग्राम पानपुर के हाईस्कूल में विद्यार्थियो के मध्य जल एवं स्वच्छता विषय पर चित्रकला, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रतिभागियों को पुरुस्कृत कर साबुन से हाथ धुलाई के महत्व और हाथ धुलाई के 6 चरणो का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान सरपंच, स्कुल स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मारपीट, दोनों पक्षों के 4 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पारिवारिक विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। बिल्लोद निवासी इस्तकार पिता मकबूल खां पठान ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी बेटी शाहिन की शादी बिल्लोद निवासी सद्धाम पिता कल्लू पठान से हुई थी। एक वर्ष पूर्व हुई थी। बेटी के जेठ वकीलुद्धीन के निकाह को लेकर विवाद में रईस खां, सलीम खां पठान, शाहिद पठान ने गाली-गलौज कर मारपीट की। इसी तरह रईस पठान की रिपोर्ट पर पुलिस ने ईश्तिखार पठान के खिलाफ केस दर्ज किया।

चाय की होटल संचालक की अनूठी पहल....

चाय के दाम घटाए, कर रहे भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने की पहल

मनासा, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मनासा विधानसभा क्षेत्र में एक अनोखी पहल देखने को मिली, जहाँ एक होटल संचालक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अभियान के तहत, उपसरपंच चाय होटल संचालक आयुष पुरोहित अरुण राठोर ने अपनी चाय की दुकान पर एक अनूठा ऑफर शुरू किया है। उन्होंने चाय के दाम घटाकर 5 रुपये कर दिए हैं और साथ ही आने वाले ग्राहकों को भाजपा का सदस्य बनाने की पहल की है।

यह अभियान भाजपा सदस्यता अभियान के तहत चलाया जा रहा है, जिसमें चौधरी ने स्थानीय लोगों को भाजपा के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित किया है। उनका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को मजबूत करना और अधिक से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है। इस अवसर पर मनासा क्षेत्र के विधायक श्री माधव मारू भी चौधरी की दुकान पर पहुंचे। उन्होंने इस अनूठी पहल की सराहना की और स्थानीय ग्रामीणों को भाजपा का सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया। श्री मारू ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, और हम सभी को इसमें अपना योगदान देना चाहिए।

अधिक से अधिक लोग भाजपा के सदस्य बनें और केंद्र में मोदी जी को और अधिक ताकत प्रदान करें। इस मौके पर कई ग्रामीणों ने भी भाजपा की सदस्यता ली और इस अभियान को सराहा। चौधरी की इस पहल को क्षेत्र में एक प्रेरणादायक कदम के रूप में देखा जा रहा है, और इससे भाजपा को स्थानीय स्तर पर जनसमर्थन बढाने में मदद मिलेगी। यह अभियान भाजपा के प्रति जनता की आस्था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की लोकप्रियता को दर्शाता है, जो न केवल शहरी क्षेत्रों में बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी गहरी पैठ बना चुका है।

रास्ते के विवाद में पीटा, 3 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 23 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। रास्ते के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। थडोद निवासी गजराजसिंह सोनगरा ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत के रास्ते के विवाद में धीरेन्द्रसिंह राजपूत, उसके भाई कान्हासिंह राजपूत व दशरथसिंह तीनों ने विवाद किया, गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे चोंट आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

DR/MDS/1414 दिनाक 15/12/2015

समन्वय साख सहकारी संस्था मर्यादित मंदसौर (म.प्र)

मेडी पॉइंट, गोल चौराहा, मंदसौर

क्र. आमसभा/2024 मंदसौर 23/09/2024

9 वी वार्षिक आमसभा का सूचना पत्र (केवल सदस्यो के लिये)

माननीय सदस्य महानुभावो

सहकारिता समन्वय साख सहकारी संस्था मर्यादित मंदसौर की वार्षिक आमसभा दिनाक 30-09-2024 सोमवार को दोपहर 1 बजे स्थान मेडी पॉइंट गोल चौराहा मंदसौर पर निम्न विषय सूची अनुसार निर्णय लेने हेतु आयोजित की गयी है जिसमे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है उक्त दिनांक को यदि नियत समय पर साधारण सभा के लिए गणपूर्ति नहीं होती है तो साधारण सभा की बैठक उसी दिन उसी स्थान पर निर्धारित समय के आधे घंटे के पश्चात अर्थात दोपहर 1.30 बजे प्रारम्भ की जावेगी जिसमें गणपूर्ति की आवश्कता नहीं रहेगी।

* विषय सूची- 1- गत वर्ष आम सभा दिनांक 29-09-2023 प्रोसिडिंग का वाचन। 2. वर्ष 2023-24 की प्रबंध कारिणी समिति द्वारा बैठकों में लिए गए निर्णय की पुष्टि बाबत विचार। 3. वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित बजट स्वीकृत करने बाबत विचार। 4- 31-मार्च-2024 को सम्पन हुए वर्ष 2023-24 के विस्थिति विवरण पत्रक बैलेंस शीट व आय-व्यय, लाभ हानि पत्रक पर विचार एवं स्वीकृति। 5. वर्ष 2023-24 के लाभ का विभाजन हेतु स्वीकृति बाबत। 6. संस्था के अंकेक्षण में अंकेक्षक द्वारा वर्ष 2023-24 के आक्षेपों एवं सुझाव का अवलोकन करने पर विचार। 7. अन्य प्रस्ताव अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

अध्यक्ष
अजीत पाटीदार
समन्वय साख सहकारी संस्था मर्यादित मंदसौर

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

**** मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें ****

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 23.09.2024

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सादिक हुसैन पिता अजीज मोहम्मद जी नीलगर जाति मुसलमान, निवासी खानपुरा, मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का मकान जो कि भूमि सर्वे क्रमांक-79/3 का भाग, जिसका म्यु मकान क्रमांक-2, होकर संजीत रोड (पाटीदार छात्रावास से रेल्वे फाटक के मध्य, संजीत रोड पर) ग्राम कितयानी, वार्ड नंबर-1, मंदसौर में स्थित है, उक्त मकान को स्वत्व परित्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249392022ए 1186228 दिनांक 23.02.2022 को 1. मोहम्मद युसूफ पिता अजीज मोहम्मद जी नीलगर जाति मुसलमान, निवासी नीलगर खरंजा, खानपुरा, मंदसौर व अन्य से स्वत्व परित्याग विलेख से प्राप्त किया था। उक्त मकान की चतुं सीमा निम्नवत है-

चतुं:सीमा- पूर्व में-संजीत रोड, पश्चिम में-नाहर सैय्यद रोड, उत्तर में-अन्य का मकान, दक्षिण में-भूखण्ड क्रमांक-1 पर निर्मित मकान अन्य का,कुल क्षेत्रफल 1303 वर्गफीट या 121.04 वर्गमीटर या 0.013 हेक्टर है।

उक्त मकान स्थित भूखण्ड को सादिक हुसैन, आदि की माता मिश्रीबाई पति अजीज मोहम्मद नीलगर निवासी खानपुरा, मंदसौर ने उनके जीवनकाल में विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक-2682 दिनांक 22.02.1985 को पन्नालाल पिता पूरनमल जाति महाजन, निवासी हाल मुकाम बम्बई द्वारा मुकाम-सज्जनलाल पिता रखबचन्द जी मिण्डा, निवासी धनकुटा गली, मंदसौर से क्रय किया था। यह कि मिश्रीबाई के स्वर्गवास उपरांत उक्त मकान पर उनके वारिस व उत्तराधिकारी मोहम्मद युसुफ आदि के नाम का नामांतरण दर्ज हो चुका था, तथा मोहम्मद युसूफ व अन्य द्वारा मकान का स्वत्व परित्याग जिसका स्वत्व परित्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392022ए 1186228 दिनांक 23.02 2022 से सादिक हुसैन के पक्ष में किया गया है। उक्त संपत्ति पर सादिक हुसैन पिता अजीज मोहम्मद जी नीलगर जाति मुसलमान, द्वारा IDFC FIRST BANK LTD (MBL) Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करो वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in